



Archisha

08 Sep 2010

11:20 PM

Gorakhpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121495903

लिंग _____: स्त्रीलिंग
जन्म तिथि _____: 08/09/2010
दिन _____: बुधवार
जन्म समय _____: 23:20:00 घंटे
इष्ट _____: 44:12:45 घटी
स्थान _____: Gorakhpur
राज्य _____: Uttar Pradesh
देश _____: India

अक्षांश _____: 26:45:00 उत्तर
रेखांश _____: 83:23:00 पूर्व
मध्य रेखांश _____: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार _____: 00:03:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार _____: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय _____: 23:23:32 घंटे
वेलान्तर _____: 00:02:12 घंटे
साम्पातिक काल _____: 22:34:16 घंटे
सूर्योदय _____: 05:38:54 घंटे
सूर्यास्त _____: 18:09:03 घंटे
दिनमान _____: 12:30:10 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____: दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल) _____: उत्तर
ऋतु _____: शरद
सूर्य के अंश _____: 21:57:49 सिंह
लग्न के अंश _____: 27:45:11 वृष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति _____: वृष - शुक्र
राशि-स्वामी _____: सिंह - सूर्य
नक्षत्र-चरण _____: पू०फाल्गुनी - 4
नक्षत्र स्वामी _____: शुक्र
योग _____: साध्य
करण _____: किंस्तुघ्न
गण _____: मनुष्य
योनि _____: मूषक
नाड़ी _____: मध्य
वर्ण _____: क्षत्रिय
वश्य _____: वनचर
वर्ग _____: श्वान
युँजा _____: मध्य
हंसक _____: अग्नि
जन्म नामाक्षर _____: टू-टुनटुन
पाया(राशि-नक्षत्र) _____: लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____: कन्या

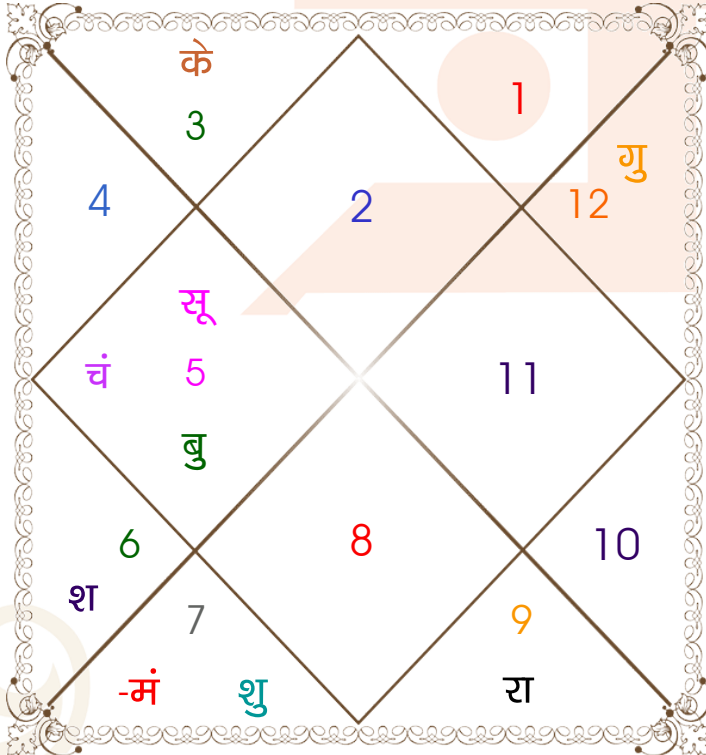
ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृष	27:45:11	344:10:48	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	गुरु	---
सूर्य			सिंह	21:57:49	00:58:17	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	शनि	स्वराशि
चंद्र			सिंह	26:20:37	15:17:23	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	केतु	मित्र राशि
मंगल			तुला	01:52:22	00:39:37	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	सम राशि
बुध	व	अ	सिंह	12:39:07	00:35:19	मघा	4	10	सूर्य	केतु	बुध	मित्र राशि
गुरु	व		मीन	06:02:48	00:07:33	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	स्वराशि
शुक्र			तुला	06:03:19	00:45:46	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	चंद्र	मूलत्रिकोण
शनि			कन्या	11:00:56	00:07:08	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	चंद्र	मित्र राशि
राहु	व		धनु	15:37:04	00:09:23	पूर्वाषाढा	1	20	गुरु	शुक्र	सूर्य	नीच राशि
केतु	व		मिथु	15:37:04	00:09:23	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	शुक्र	नीच राशि
हर्ष	व		मीन	05:06:37	00:02:19	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	---
नेप	व		कुंभ	02:46:17	00:01:32	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	शुक्र	---
प्लूटो	व		धनु	08:47:11	00:00:10	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	---
दशम भाव			कुंभ	12:49:32	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	बुध	--

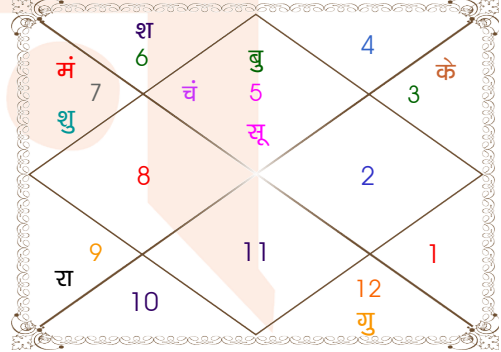
व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:00:40

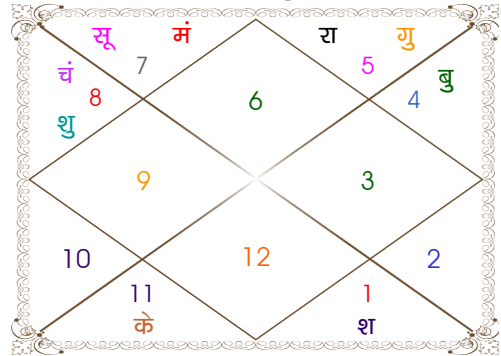
लग्न-चलित



चन्द्र कुंडली



नवमांश कुंडली



विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 0 वर्ष 5 मास 24 दिन

शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष
08/09/2010	05/03/2011	04/03/2017	05/03/2027	04/03/2034
05/03/2011	04/03/2017	05/03/2027	04/03/2034	04/03/2052
00/00/0000	सूर्य 22/06/2011	चंद्र 02/01/2018	मंगल 01/08/2027	राहु 14/11/2036
00/00/0000	चंद्र 22/12/2011	मंगल 03/08/2018	राहु 18/08/2028	गुरु 10/04/2039
00/00/0000	मंगल 28/04/2012	राहु 02/02/2020	गुरु 25/07/2029	शनि 14/02/2042
00/00/0000	राहु 22/03/2013	गुरु 03/06/2021	शनि 03/09/2030	बुध 02/09/2044
00/00/0000	गुरु 08/01/2014	शनि 03/01/2023	बुध 31/08/2031	केतु 21/09/2045
00/00/0000	शनि 21/12/2014	बुध 03/06/2024	केतु 27/01/2032	शुक्र 21/09/2048
00/00/0000	बुध 28/10/2015	केतु 02/01/2025	शुक्र 28/03/2033	सूर्य 15/08/2049
08/09/2010	केतु 04/03/2016	शुक्र 03/09/2026	सूर्य 03/08/2033	चंद्र 14/02/2051
केतु 05/03/2011	शुक्र 04/03/2017	सूर्य 05/03/2027	चंद्र 04/03/2034	मंगल 04/03/2052

गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष
04/03/2052	04/03/2068	05/03/2087	05/03/2104	06/03/2111
04/03/2068	05/03/2087	05/03/2104	06/03/2111	09/09/2130
गुरु 22/04/2054	शनि 08/03/2071	बुध 31/07/2089	केतु 01/08/2104	शुक्र 05/07/2114
शनि 02/11/2056	बुध 15/11/2073	केतु 28/07/2090	शुक्र 01/10/2105	सूर्य 05/07/2115
बुध 08/02/2059	केतु 25/12/2074	शुक्र 28/05/2093	सूर्य 06/02/2106	चंद्र 05/03/2117
केतु 15/01/2060	शुक्र 23/02/2078	सूर्य 04/04/2094	चंद्र 07/09/2106	मंगल 05/05/2118
शुक्र 15/09/2062	सूर्य 05/02/2079	चंद्र 03/09/2095	मंगल 03/02/2107	राहु 05/05/2121
सूर्य 04/07/2063	चंद्र 05/09/2080	मंगल 30/08/2096	राहु 22/02/2108	गुरु 04/01/2124
चंद्र 02/11/2064	मंगल 15/10/2081	राहु 20/03/2099	गुरु 27/01/2109	शनि 06/03/2127
मंगल 09/10/2065	राहु 21/08/2084	गुरु 26/06/2101	शनि 08/03/2110	बुध 03/01/2130
राहु 04/03/2068	गुरु 05/03/2087	शनि 05/03/2104	बुध 06/03/2111	केतु 09/09/2130

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशों के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 0 वर्ष 5 मा 25 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मृगशिरा नक्षत्र के द्वितीय चरण में वृष लग्नोदय काल में हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर कन्या नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काण उदित था। फलस्वरूप इस बात का द्योतक है कि आप (जन्मकाल) बाल्यावस्था से ही निश्चित रूप से सुखी, सुलभ, स्नेहयुक्त एवं आनन्दित जीवन व्यतीत करेंगी। आप सदैव ही पुरुष तथा धन से युक्त रहकर आनंद प्राप्त करेंगी।

आप सफलता प्राप्ति हेतु अंतिम क्षण तक सत्प्रयास करते रहेंगी मुख्यतः आप जीवन के 28 वें वर्ष के पश्चात् अपने परिश्रम को साकार कर लेंगी।

यद्यपि आप सहज स्वभाव की प्राणी हैं। आप में कुछ मुख्य गुण हैं कि आप प्रशंसनीय महिला हैं। आप उतावला होकर शीघ्रता पूर्वक कोई भी निर्णय नहीं लेती बल्कि शांत चित्त हो खूब सोच विचार करने के पश्चात् अपने विवेक से दूसरा कदम उठाती हैं।

आप अपनी योजना को तुलनात्मक ढंग से विभिन्न प्रकारेण अनुकूलता एवं प्रतिकूलता के संबंध में विस्तारपूर्वक अध्ययनकर कार्यरूप देती हैं। इसके पश्चात् अपनी आंकाक्षा को एकाग्रचित होकर संबंधित प्रस्ताव को समर्पित करती हैं। परंतु आप यदा-कदा स्वभाव से प्रीतिपूर्वक व्यवहार करती हैं जो आपके लिए बोझ-स्वरूप दबाव पूर्ण हो सकता है। इसलिए आपको एक बार ऐसा विचार करना चाहिए कि अपनी बुनियादी गुण को त्याग कर ही अपने विषयक कार्य को सफलता के द्वार तक पहुंचा सकती हैं।

आपको शारीरिक सुख भोग के लिए सतत कठिन परिश्रम करके ही पुरस्कार स्वरूप धन, संपत्ति प्रतिष्ठा एवं आरामदायक जीवन व्यतीत करने का सौभाग्य प्राप्त होगा। आप एक बार प्रगति के पथ पर अग्रसर हुईं तों आपकी अपेक्षित धन संचय की लालशा पूरी हो जाएगी तथा बहुत अधिक धन संचय कर लेंगी। क्योंकि आप महान कृपण हैं अतः जीवन पर्यंत धन संपत्ति संचय करती रहेंगी।

आपको बहुत धनोपार्जन हेतु सुंदर एवं अनुकूल व्यवसाय आरामदायक वस्तुओं का व्यवसाय कृषि उपस्करों का व्यवसाय, वित्तीय (लेन-देन) दलाली का व्यवसाय, कलात्मक वस्तुओं का व्यवसाय, रत्नादि एवं ट्रांसपोर्ट (मालवाहक) संबंधी कार्यों के द्वारा अतिरिक्त धन उपार्जन कर सकेंगी।

आप सदैव ही विपरीत योनि के साथ आंख मिलाते रहना चाहती हैं। आप सदैव कामुकता पूर्ण आनंद प्राप्त करना पसंद करती हैं। अंततः आपकी महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील जनेन्द्रिय को क्षति होने की आशंका है। अस्तु उत्तम यह है कि आप इस प्रवृत्ति का त्याग कर दें।

आप निरंतर सुखद एवं शांतिपूर्ण घरेलू जीवन व्यतीत करेंगी। यह संभाव्य है कि आप मुख्यतया अपना सर्वोत्कृष्ट जीवन साथी बनाएंगी।

वृष राशीय जातक को निर्देश है कि आप अपने पति अथवा मित्रता के लिए

उपयुक्त राशि कन्या, मकर, मीन एवं वृश्चिक राशि के जातक अनुकूल हैं। इन राशियों का योग मानवीय एवं आनंददायक होगा। आप सदैव ही अपने पारिवारिक प्रसन्नता हेतु बहुत कुछ करती रहती हैं। आप वांछनीय एवं स्वस्थ जीवन के लिए सभी वांछित वस्तुओं की व्यवस्था एवं समर्पण करती हैं।

यद्यपि आप विस्तृत सम्पत्ति की स्वामी होंगी। आप शांतचित्त हृष्ट-पुष्ट शरीर से युक्त, संवेदनशील एवं जीवन में कुछ समय के बाद हल्के रोगों की आशंका है। आप गले के संक्रमण, कफ एवं शीत प्रभाव से शरीर में फोड़ा-फुंसी, दाद खुजली एवं शारीरिक पीड़ा से पीड़ित रहेंगी। अस्तु समय-समय पर अपने पारिवारिक चिकित्सक से संबंधित रह कर, इन रोगों के प्रति सतर्क रहें।

सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरुवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है।

आपके लिए अंक 2 एवं 8 अंक अनुकूल और महत्वपूर्ण है। परंतु अंक 5 आपके लिए त्याज्य है।

आपके लिए सभी रंगों में सुंदर एवं अति उत्तम रंग सफेद, हरा एवं गुलाबी रंग है। रंग लाल आपके लिए त्याज्य है।